ई.एच.आई.–04

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2015 और जनवरी 2016 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–04

पाठ्यक्रम शीर्षक :
भारत : 16वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी के मध्य तक

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य
2015–2016

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–04

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2015 सत्र के लिए	31 मार्च 2016	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।
जनवरी 2016 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2016	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

क) योजना : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

ख) वस्तु चयन : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

ग) **प्रस्तुतीकरण** : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रक्रिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
ई.एच.आई.–04
भारत : 16वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी के मध्य तक

पाठ्क्रम कोड : ई.एच.आई.–04
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई.–04/
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2015–2016
पूर्णांक :100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।

भाग 1: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. बाबर के आक्रमण के समय भारत की राजनैतिक स्थिति क्या थी ? वह अपना शासन स्थापित करने में किस प्रकार सफल हुआ ? 20

अथवा

मुगलशासन के काल में मनसबदारी व्यवस्था का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. अकबर के काल में मुगलों की भू–राजस्व व्यवस्था की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

भारत के विभिन्न सूफी सिलसिलों पर टिप्पणी लिखिए। चिश्ती सिलसिला अधिक लोकप्रिय क्यों था ?

भाग 2: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. भारत में शेरशाह के अधीन दूसरे अफगान साम्राज्य की स्थापना और सुदृढ़ीकरण पर एक टिप्पणी लिखिए। 12

अथवा

तुर्को–मंगोल प्रभुसत्ता के सिद्वान्त से आप क्या समझते हैं ? क्या मुगल राजस्व के सिद्वान्त पर इसका कोई प्रभाव था ?

4. मराठा शक्ति के उत्थान के कारणों का परीक्षण कीजिए। 12

अथवा

मुगलों की प्रांतीय प्रशासन व्यवस्था की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

5. दक्खन और दक्षिण भारत में भूमि अधिकारों की प्रकृति का परीक्षण कीजिए। 12

अथवा

मुगल शासन के काल में भारत में प्रचलित प्रमुख व्यापारिक पद्धतियों पर एक टिप्पणी लिखिए।

6. भारत में 16वीं–17वीं शताब्दी में प्रचलित विभिन्न भक्ति सम्प्रदायों की चर्चा कीजिए। 12

अथवा

अकबर के काल में भवन निर्माण कला की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

भाग 3: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

7. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए** : 6+6

क) मुगल साम्राज्य के पतन की क्षेत्र केन्द्रित अवधारणा
ख) अठारहवीं शताब्दी में मुगलों के उत्तराधिकारी राज्य
ग) मुगलकाल के अध्ययन के लिए फारसी स्त्रोत
घ) मुगल टकसाल